

भारत वैश्विक विज्ञान से एक ऐसी विश्व व्यवस्था की स्थापना के लिए कार्य कर रहा है जिसमें ऊर्जा,
जलवायु और आर्थिक न्याय हो : लोक सभा अध्यक्ष

...

यदि भारत सफल होता है तो यह विश्व की सफलता है : लोक सभा अध्यक्ष

...

ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु संरक्षण, और विकास साथ साथ चलने चाहिए : लोक सभा अध्यक्ष

...

भारत की विकास नीति अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी दोनों को साथ लेकर चलने की संकल्पना पर
आधारित है: लोक सभा अध्यक्ष

...

सतत विकास ही आत्मनिर्भर भारत का आधार है: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने जी20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के शिखर सम्मेलन (पी20) को संबोधित किया

...

लोक सभा अध्यक्ष इटली, इंडोनेशिया और दक्षिण अफ्रीका के पीठासीन अधिकारियों से मुलाकात की

...

रोम, 07 अक्टूबर, 2021: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने रोम, इटली में जी20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के शिखर सम्मेलन (पी20) में आज दूसरे कार्य सत्र में " सामाजिक और पर्यावरणीय संघारणीयता के सन्दर्भ में आर्थिक वृद्धि को पुनर्जीवित करना" विषय पर प्रतिनिधियों को संबोधित किया।

अपने संबोधन में श्री बिरला ने वैश्विक मामलों में भारत के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यदि भारत सफल होता है तो यह विश्व की सफलता है। उन्होंने कहा कि हमारा देश वैश्विक विज्ञान से एक ऐसी विश्व व्यवस्था की स्थापना के लिए कार्य कर रहा है जिसमें ऊर्जा न्याय, जलवायु न्याय और आर्थिक न्याय हो। उन्होंने आगे कहा कि भारत का लक्ष्य ग्लोबल साउथ और ग्लोबल नॉर्थ के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करते हुए एक समेकित वैश्विक कार्यनीति विकसित करना है जो पूरे विश्व के भविष्य का आधार बने।

यह टिप्पणी करते हुए कि जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व को प्रभावित कर रहा है, उन्होंने कहा कि मानवता की रक्षा के लिए ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए विश्व समुदाय को तेजी से ठोस सामूहिक कार्रवाई करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत की संसद ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर व्यापक रूप से चर्चा की है और चर्चा के बाद भारत ने पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए कई कानून पारित किए हैं। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि भारत ने 2005 की तुलना में अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता में 24 प्रतिशत की कमी के लक्ष्य को निर्धारित समय से पहले ही हासिल कर लिया है। इसके अलावा, देश इस तीव्रता में 35 प्रतिशत तक कमी के लक्ष्य को भी निर्धारित समय अर्थात वर्ष 2030 से बहुत पहले प्राप्त कर लेगा।

श्री बिरला ने यह जानकारी भी दी कि भारत जलवायु न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान में दुनिया की मदद करने के लिए बहुआयामी भूमिका निभा रहा है। पर्यावरण से जुड़े मुद्दों के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत एक तरफ ग्लोबल नॉर्थ के साथ साझेदारी कर रहा है और दूसरी तरफ ग्लोबल साउथ के 'एडवोकेट' के रूप में काम कर रहा है।

यह टिप्पणी करते हुए कि भारत की संसद और सरकार के बीच सकारात्मक चर्चा और संवाद के लिए मजबूत तंत्र है, श्री बिरला ने सामाजिक सुरक्षा, आय सुरक्षा, रोजगार सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने वाले कानूनों का उल्लेख किया, जिससे समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को लाभ हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु संरक्षण और विकास साथ साथ चलने चाहिए क्योंकि भारत की विकास नीति अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी दोनों को साथ लेकर चलने की संकल्पना पर आधारित है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि सतत विकास ही आत्मनिर्भर भारत का आधार है।

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भारत उज्ज्वला योजना, उजाला योजना, स्मार्ट सिटी मिशन आदि जैसी योजनाओं के माध्यम से अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप CO2 उत्सर्जन, सीएफसी और एचएफसी उत्सर्जन को कम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा कर रहा है बल्कि इसके साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। श्री बिरला ने 98 देशों के अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और 25 देशों के सीडीआरआई (आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन) में भारत की अग्रणी भूमिका का उल्लेख किया, जो पृथ्वी के हरित भविष्य के लिए देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल के वर्षों में देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए सौर पैनलों का उपयोग बढ़ा है, जिससे आर्थिक विकास के साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता बनाए रखने की भारत की प्रतिबद्धता का पता चलता है।

शिखर सम्मेलन के साथ आयोजित बैठकों में लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने इटली की सीनेट की प्रेजिडेंट, महामहिम सुश्री मारिया एलिजाबेता एल्बर्टी कासलाटी; इंडोनेशिया गणराज्य के हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव्स की स्पीकर, महामहिम सुश्री पुअन महारानी और दक्षिण अफ्रीका की नैशनल असेम्बली की स्पीकर, महामहिम सुश्री नोसिविवे नोलुथंडो मापिसा नकाकुला से मुलाकात की तथा ऊर्जा, शिक्षा, संस्कृति, कौशल विकास, बुनियादी सुविधाओं, खाद्य प्रसंस्करण और संसदीय सहयोग सहित द्विपक्षीय हित के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।